

## माननीय मुख्यमंत्री महोदय का भाषण

मंगला टर्मिनल प्रोसेस में तेल उत्पादन का उद्घाटन

(नागाणा-बाड़मेर, दिनांक 29.8.2009)

हमारे मंत्री भाई मुरली देवड़ा जी, डॉ. सी.पी.जोशी, राज्यमंत्री जतिन प्रसाद जी, सचिन पायलट, यहां के लोकप्रिय सांसद हरीश चौधरी जी, यहां उपस्थित हमारे जोधपुर के सांसद जाखड़ जी, यहां उपस्थित हमारे राज्य के मंत्री हेमाराम चौधरी जी, भरत सिंह जी, रामलाल जाट साहब, डॉ. जितेन्द्र सिंह जी, उपस्थित विधायकगण, हमारे उपस्थित अन्य जनप्रतिनिधिगण और हमारे मेहमान केयर्न के चेयरमेन श्री बिल गेमेल, ओएनजीसी के चेयरमेन मिस्टर आर.एस.शर्मा जी, अन्य ओएनजीसी के व केयर्न एनर्जी के तमाम अधिकारीगण, उपस्थित अतिथिगण, बुजुर्ग, भाइयो और बहनो, मेरे प्यारे नौजवान साथियो।

सबसे पहले मैं अपनी ओर से और आप सबकी ओर से माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी का राजस्थान की धरती पर बाड़मेर आने पर हार्दिक स्वागत करता हूँ। डॉ.मनमोहन सिंह जी का आज आना और आज का दिन राजस्थान के इतिहास में देश के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जायेगा। पिछले 50 साल का रास्ता कमजोर था। 50 साल की मेहनत लगातार जैसलमेर, बाड़मेर में हुए ओएनजीसी में, कोल इण्डिया में बहुत प्रयास किये। गैस निकले, तेल निकले। ये तो कहावत है अपने राजस्थान में। केयर्न एनर्जी को कि इस वक्त में यहां पर खनिज तेल का निकलना अपने आपमें एक इतिहास बना गया। बचपन से आप और हम सब लोग कल्पना करते थे कि खोज हो रही है तेल की, गैस की, कभी न कभी निकलेगा। पर आज बाड़मेर और जैसलमेर जो हमारे सीमावर्ती क्षेत्र है। अन्तर्राष्ट्रीय सीमा लगती है 1,040 किलोमीटर गंगानगर, बीकानेर, बाड़मेर, जैसलमेर की। उन धोरों की धरती पर यहां रेगिस्तान है। यहां बड़े उद्योग है। आईएनजीपी कैनल आ गई है इंदिरा गांधी कैनल। उसको लाने के प्रयास हमारे बाड़मेर तक भी है। पीने के पानी का संकट बहुत भयंकर है गांवों में। प्रधानमंत्री स्वयं देखकर आये हैं अभी। करीब 700 मेगावाट का उत्पादन शुरू हो गया राजस्थान में। जिसमें सिरमोर जैसलमेर है। लिग्नाइट के भण्डार यहां मिल चुके हैं। लिग्नाइट के कारखाने लग

गये यहां पर। दो-चार कारखाने लग चुके हैं पॉवर प्लांट के। तो ये खोज होना, ये खोज अपने आपमें बहुत बड़ी उपलब्धि के रूप में।

इसलिये इस मुद्दारक मौके पर मुरली देवड़ा जी को धन्यवाद देना चाहूंगा। अभी दो महिने पहले यहां आकर गये थे मेरे साथ में। या मैं उनके साथ आया था ये कहना चाहूंगा। पर दो महिने के अन्तराल में वो डॉ. मनमोहन सिंह जी को लेकर यहां आये हैं। इस बात का धन्यवाद मैं उनको देना चाहूंगा। प्रधानमंत्री जी के आने का लाभ केयर्न में भी और ओएनजीसी जो है कमी बनी हुई है और आज शुभारम्भ हो रहा है खनिज तेल निकलने के।

और सबसे बड़ी बात जो मैं ये कहना चाहूंगा अकाल सूखा पड़ा हुआ है पूरे प्रदेश के अन्दर, पूरे देश के अन्दर। प्रधानमंत्री जी ने समय रहते हम लोगों को बुलाया मुख्यमंत्रियों को बुलाया दिल्ली के अन्दर, चिन्ता प्रकट की। और आज हमें तसल्ली है संतोष इस बात का है। अब आज राजस्थान में प्रधानमंत्री जी ने स्वयं ने रामसर में जाकर के रास्ते में हवाई सर्वेक्षण भी किया। किस प्रकार कोई फसलें नाम की चीज नहीं। कई जगह बुवाई भी नहीं हुई है। न चारा है, न पानी है। खाली प्रधानमंत्री जी आपको और सोनिया गांधी जी को धन्यवाद है कि आपने नरेगा योजना शुरू कर दी। वरना हाहाकार मच जाता पूरे देश के अन्दर। ये मैं कहना चाहता हूँ। आज हमारे लोगों को तसल्ली है कि कम से कम नरेगा के माध्यम से रोजगार तो मिलता रहेगा। और आपने कहा भी है कि 100 दिन पूरे भी हो जायेंगे तब भी आप रोजगार देंगे। इस बात के लिये मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूँ।

इसलिये मैं कहना चाहूंगा कि हमें चिन्ता लगी हुई थी कि अकाल सूखे में क्या होगा। जब मानसून साथ नहीं देता है तो प्रकृति का प्रकोप इतना भारी होता है झेलना बड़ा मुश्किल होता है। पर आपने पहले भी अकाल पड़ा था राजस्थान में, तब भी कोई कसर नहीं छोड़ी थी। आपने और सोनिया जी ने हमें पूरी इमदाद दिलाई। हमने हर घर घर में गोहूँ पहुंचा दिया, चारे का प्रबन्धन किया पशुओं के लिये उस वक्त में भी। करप्शन नहीं हुआ, शानदार मैनेजमेंट हुआ था उस वक्त में भी। जिसको लेकर के आज भी याद करते हैं। और अब भी लोगों को विश्वास है और मुझे इस बात का फक्र है कि प्रधानमंत्री जी ने स्वयं ने आकर देख लिया है। केन्द्रीय टीम तो बाद में आती जायेगी। ये देश का प्रधानमंत्री अकाल एवं सूखे का स्वयं निरीक्षण कर ले। उसको मैं समझता हूँ कि राजस्थान को अब मदद मिलने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। ये मैं आपको कहना चाहता हूँ। काम ऐसा ही किया केयर्न एनर्जी ने। इसमें कोई दोराय नहीं।



मैंने कहा कि यश लिखा था इनके भाग्य में। और हमारे भाग्य में लिखा था तेल निकलना। और जब तेल निकलेगा तो पहले ही कह दिया था कि बाड़मेर, जैसलमेर का कायाकल्प हो जायेगा। चहुंमुखी विकास होगा। रिफायनरी लगेगी और आज भी हर बाड़मेरवासी ही नहीं जोधपुर सम्भाग में पूरे प्रदेश के दिमाग में ये बात घुसी हुई है, तेल निकल गया है। आप स्वयं कहते हैं कि तेल की मात्रा इतनी अधिक है पूरे देश के कलक्शन की। तो राजस्थान में, राजस्थानवासियों का और सीमावर्ती बाड़मेरवासियों का हक बनता है कि रिफाइनरी की स्थापना यहां होती रहे, होकर रहे। मैं उम्मीद करता हूं कि आज जो पाईप लाइन का शुभारम्भ कर रहे हैं। जो रिफाइनरी लगेगी देवड़ा साहब आपके प्रयास से। प्रधानमंत्री जी ने आपको बधाई दे दी। उन्होंने अपना काम कर दिया है मेरे सामने, कह दिया है। अब आपके ऊपर है कि आप कैसे ओएनजीसी से, केयर्न एनर्जी से और बात करके रिफाइनरी लगाये। और ये रिफाइनरी लगेगी तो ये पाईप लाइन गई है यहां से गुजरात तक गई है। इसी पाईप लाइन से तेल रिफाइनर होने के लिये दूसरे मुल्कों से आयेगा और दूसरी जगहों से आयेगा। तब जाकर हमारा सपना पूरा साकार होगा। ये मैं आपको कहना चाहूंगा। ये कोई मामूली बात नहीं है। यहां की जनता ने पूरा कॉर्पोरेट किया, यहां कि सरकार ने पूरा कॉर्पोरेट किया ओएनजीसी को। हर काम में मदद की है। अब खाली रिफाइनरी की बात रह गई है।

अब दूसरा छोटा सा मसला है गैस का। गैस के मामले पर आपको मैं इस मौके पर ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहूंगा। मैं उम्मीद करता हूं कि जो केयर्न एनर्जी ओएनजीसी के साथ में राज्य सरकार का मामला, राज्य सरकार मांग कर रही है कि हमें वेट मिले। आपका लिखित में कमीटमेंट है। कुछ कारण से अभी फैसला हुआ नहीं है। मैं मुरली देवड़ा जी को आग्रह करना चाहूंगा प्रधानमंत्री जी के सान्निध्य में। क्योंकि पूरे राजस्थान के भविष्य का सवाल है। राजस्थान में अकाल सूखे पड़ते रहते हैं। बड़ी तकलीफ का सामना करना पड़ता है। 60 साल में 50 साल सूखे अकाल पड़े होंगे यहां पर। ये संघर्ष करके जिन्दा रहना जानते हैं यहां के लोग। इसलिये आज कमियों के अन्दर भी आप देखते होंगे यहां पर लोगों में कितना कोन्फीडेंस के साथ में काम करने का जज्बा है। पर वो मामला भी मैं समझता हूं मुरली देवड़ा जी मध्यस्थता करके सरकार, स्टेट गवर्नमेंट, केयर्न एनर्जी, ओएनजीसी के बीच में। जिससे कि ये मामला हमारा हल हो जाये। और उससे राजस्थान का विकास हो जाये। पाईट ऑफ डिलेवरी जो है यहां की वो तय होगी तेल की सप्लाय की। तब जाकर के हमको उसका लाभ मिलेगा। ये मैं आपको कहना चाहता हूं।

इसलिये मैं ज्यादा लम्बा समय नहीं लेना चाहूंगा। बात तो कहने को बहुत सारी है। पर जो थार एक्सप्रेस की बात की मिततल जी ने हमारे प्रधानमंत्री जी से।

मुझे मालूम है कि पूरे बोर्डर एरिया के क्योंकि जो यात्री आते हैं पाकिस्तान से। उनको आना पड़ता है पहले जोधपुर में। फिर ढाई सौ किलोमीटर वापिस आना पड़ता है। तो ये तमाम बातें जो हैं। इंदिरा गांधी केनाल का पानी बाड़मेर तक पहुंचे। ये तमाम बातें प्रधानमंत्री जी से अभी प्रेस कान्फ्रेंस में हुई है। इसलिये उन बातों में मैं वापिस रिपीट नहीं करना चाहूंगा। इतना ही कहना चाहूंगा कि हमारे पूरे बैल्ट के अन्दर इस लाइम स्टोन भी यहां पर है। इंदिरा गांधी केनाल भी यहां पर है। लिग्नाइट के भण्डार यहां पर है। प्राकृतिक गैस निकल चुकी है जैसलमेर के अन्दर। खनिज तेल आपने निकाल दिया है बाड़मेर के अन्दर। एनर्जी के काम चल रहे हैं तेज गति से जैसलमेर बाड़मेर के अन्दर। तो तमाम तरह के हालात ऐसे बन रहे हैं। जो सदियों से बाड़मेर जैसलमेर बोर्डर के लोग पुरखों से तकलीफ पाते आये हैं पीने के पानी को लेकर 20-20 किलोमीटर, 25 किलोमीटर से पीने का पानी लाकर पीते हैं घर में आज भी। ये हालात जिस क्षेत्र में हो और जिसमें देश का ज्यादा रेगिस्तान हो। आज भी अकाल पड़ा है सूखा पड़ा है। सूखे की मार पड़ी है बीकानेर और जोधपुर डिवीजन के अन्दर। और 26 जिले राजस्थान के अकालग्रस्त घोषित हो गये हैं। मैं समझता हूं ऐसे प्रदेश की माली हालत कैसे सुधरे, प्रदेश आर्थिक विकास करें। चहुंमुखी विकास यहां पर हो।

प्रधानमंत्री जी का यहां पधारना मैं समझता हूं हमारे लिये शुभ संकेत है। और वो भी ऐसे वक्त में जब एक तरफ तो मुबारक मौका है इतिहास बनाने वाला। और इनके तमाम साथियों को मैं बधाई देना चाहूंगा कि वो यहां पर आये बाहर से। जितने भी हमारे बाहर से साथी यहां पर आये हैं। पत्रकार साथी राजस्थान और बाहर से आये हैं मैंने सुना है देश और दुनिया से आये हैं। इन तमाम लोगों का स्वागत करता हुआ मैं एक बार और प्रधानमंत्री जी का स्वागत करता हूं। और आग्रह करता हूं कि समय समय पर आप राजस्थान पधारते जायें। आपका मार्गदर्शन आपका आशीर्वाद हमें मिलता रहेगा। अकाल सूखे का मुकाबला भी करेंगे। राजस्थान में इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा। चाहे पानी हो, सड़के हों, चाहे निवेश लाने की बात हो, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की बात हो। आपने पहले के कार्यकाल में भी कोई कमी नहीं छोड़ी है। जिस प्रकार यूपीए सरकार की शुरुआत आपने की है। देश का नक्शा बदलकर रख दिया आपने। जिस प्रकार सर्वशिक्षा अभियान, नीति निवेश की, पं. जवाहरलाल नेहरू योजना, राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना, नरेगा के जो कानून बनाकर अधिकार दे दिया हर व्यक्ति को काम का अधिकार। सोनिया गांधी जी ने जिस प्रकार से राईट इन्फोरमेशन अमेरिका में जो इनका सहयोग रहा। जो इनका मार्गदर्शन रहा। पूरा मुल्क इस बात का गवाह है और जानता है आपके कार्यकाल में जो जोश आया था रेवेन्यू बढ़ी थी केन्द्र सरकार की। तमाम राज्यों को बिना भेदभाव